राज एक्सप्रेस
शनिवार, 21 नवम्बर 2015
www.rajexpress.in

सायबर ज्ञान से भी हो सकती है देश सेवा : कपूर

सायबर क्राइम से बचने के गुर सिखाए विद्यार्थियों को

इंदौर (आरएनएन)। सायबर क्राइम से बचने के लिए यदि सतर्क रहें तो कभी भी मुसीबत में नहीं पड़ेंगे। सायबर का ज्ञान प्राप्त कर आप देश-सेवा के क्षेत्र में भी काम कर सकते हैं। उक्त विचार आईजी रेडियो पुलिस ट्रैनिंग स्कूल वरुण कपूर ने संकल्प अभियान की कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वे कौटिल्य एकेडमी के छात्र-छात्राओं और फैकल्टीज को सायबर क्राइम से बचने के गुर सिखा रहे थे। कार्यशाला में 115 छात्र-छात्राऐं एवं फेकल्टीज ने भाग लिया।

आईजी ने कहा अब समय आ गया है जब छात्र-छात्राऐं सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते है । आने वाले दिनों में यह रोजगार का अत्यंत विस्तृत क्षेत्र होगा । छात्र-छात्राऐं सायबर लॉ के क्षेत्र में, अनुसंधान के क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर अपने लिये सुरक्षित रोजगार तो प्राप्त कर ही सकते हैं, देशसेवा का कार्य भी कर सकते है । आधुनिक टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल सुरक्षित ढंग से करते हुए उसका इस्तेमाल अपने लाभ के लिये करें न कि दूसरों को नुक्सान पहुंचाने में । सायबर दुनिया के मायाजाल में काल्पनिक चीजों के पीछे भागने की अपेक्षा मेहनत कर अपना मुकाम प्राप्त करें ।आज पूरा विश्व मोबाईल, इंटरनेट के माध्यम से आपस में एक हो गया है । रोजमर्रा के सभी कार्यों में इंटरनेट का उपयोग सामान्य बात है, वहीं सबसे तेजी से बढ़ने वाला अपराध भी, सायबर अपराध है । आज आमजन को नित नये-नये सायबर अपराधों का सामना करना पड़ रहा है। मोबाईल-इंटरनेट का उपयोग करते समय कई प्रलोभनों के मैसेज आते है, जिनसे बचना चाहिये क्योंकि बगैर किसी कर्म के आपको कोई भी कुछ भी मुफ्त में नहीं देगा । आईजी कपूर ने आईटी एक्ट एवं इसकी विभिन्न धाराओं की जानकारी भी दी। कार्यशाला को उपस्थिजनों ने एकाग्रता से सुना व इसमें सक्रियता से शामिल होकर अपनी बातें प्रश्नों के माध्यम से रखी, जिनका समाधान कपूर ने किया।

एसपी,पीआरटीएस सुदीप गोयनका ने द्वितीय सत्र में सभी उपस्थितजनों को छोटे-छोटे टिप्स दिए जिससे कि सायबर स्पेस का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सकें ।

कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो सक्रिय छात्र-छात्राओं क्रमशः कोमल रैकवार एवं अपेक्षासिंह गेहलोत को कपूर ने प्रमाण-पत्र व गोल्डन बैज प्रदान कर सम्मानित किया। अंत में संस्था के डायरेक्टर सिद्धांत जोशी ने कपूर को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया ।